Date – 07/08/2020

Dr. Sanehlata
Asst. Professor (Guest faculty)
Dept. of Philosophy
Women's college, Samastipur
Email Id. – Snehababli 1987 @ gmail.com
Cont. no. – 8409587640

Class – B.A. – I (Hons.)

Topic – Objective questions : Mimamsa Set-2

Scanned with CamScanner

..10/2020

## वस्तुनिष्ठ प्रश्न - मीमांसा दर्शन - 2

(1.) कौन - सा दर्शन नास्तिक है?
(a) चार्वाक (b) पूर्व - मीमांसा (c) जैन (d) बौद्ध

(2.) निम्नलिखित कथनों में कौन - सा कथन सत्य है?
(a) चार्वाक, बौद्ध और जैन आस्तिक दर्शन है (b) मीमांसा दर्शन में वेदों को अपौरुषेय कहा गया है।
(c) सांख्य दर्शन वेदों को अपौरुषेय नहीं मानता है (d) मीमांसा के अनुसार वेद अनित्य है

(3) श्रुति वाक्य अथवा वेद वाक्यों का वर्गीकरण कितने भागों में किया गया है?
(a) दो (b) तीन (c) चार (d) पाँच

(4) "वेद वाक्य क्रियार्थक होते हैं अन्यथा वे स्वतः निरर्थक होते हैं।" यह मत है।
(a) योग का (b) वैशेषिक का (c) मीमांसा का (d) अद्वैत वेदान्त का।

(5) निम्नलिखित में से कौन- सा कथन असत्य है?
(a) वेद चार हैं - ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद (b) सभी वेद के अपने उपवेद हैं
(c) सांख्य दर्शन वेदों को अपौरुषेय नहीं मानता है (d) मीमांसा दर्शन वेदों को अपौरुषेय मानता है।

(6) मीमांसा के अनुसार वेद विश्वसनीय प्रमाण हैं, क्योंकि
(a) वेदों के रचयिता सर्वज्ञ ईश्वर हैं (b) वेदों के रचयिता सर्वज्ञ ऋषि हैं
(c) वेदों के रचयिता कोई नहीं है, वे अपौरुषेय हैं (d) वेद ईश्वर द्वारा प्रकाशित हैं

(7) निम्नलिखित में से किसने वेद को अपौरुषेय नहीं माना है?
(a) सांख्य दर्शन (b) मीमांसा दर्शन (c) चार्वाक दर्शन (d) इनमें से कोई नहीं

(8) निम्नलिखित में से कौन - सा सुमेलित नहीं है।
(a) वैदिक कर्मकाण्ड में आस्था - मीमांसा (b) परतः प्रामाण्य - मीमांसा
(c) वेदों के अपौरुषेयत्व में आस्था - मीमांसा (d) वस्तुवादी दर्शन - मीमांसा

(9) कौन - सा भारतीय दर्शन - सम्प्रदाय वैदिक कर्म काण्ड को महत्व देता है?
(a) वेदान्त (b) मीमांसा (c) सांख्य (d) इनमें से कोई नहीं

(10) वेदों को शाश्वत और अपौरुषेय किसने माना है?
(a) न्याय (b) मीमांसा (c) चार्वाक (d) विशिष्टाद्वैत

(11) मीमांसा दर्शन के अनुसार विधि के कितने प्रकार हैं?
(a) 2 (b) 3 (c) 4 (d) 5

(12) कौन - सी विधि प्रयोगों की ~~शक्ति~~ शीघ्रता को बोधक है?
(a) उत्पत्ति विधि (b) विनियोग विधि
(c) प्रयोग विधि (d) अधिकार विधि

Scanned with CamScanner

(13) कौन-सी विधि कर्म के अंग तथा प्रधान विषयों की सम्बोधक है?
(a) विनियोग विधि (b) प्रयोग विधि (c) उत्पत्ति विधि (d) अधिकार विधि

(14) वे वाक्य जो अदिष्ट कर्मों की प्रशंसा करते हैं और निषिद्ध कर्मों की निन्दा करते हैं, कहलाते हैं
(a) अर्थवाद (b) अनर्थवाद (c) अर्थवाद एवं अनर्थवाद दोनों (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

(15) मीमांसा दर्शन में किसकी सत्यता के निर्धारण के लिए एकमात्र शब्द को ही प्रमाण माना गया है?
(a) विधि (b) निषेध (c) धर्म (d) इनमें से कोई नहीं

(16) मीमांसा दर्शन के अनुसार मोक्ष का अर्थ है
(a) स्वर्ग प्राप्ति (b) धन सम्पत्ति तथा सुख की प्राप्ति
(c) पीड़ा तथा दुःख भोग से मुक्ति (d) वैकुण्ठ की प्राप्ति

(17) पूर्व मीमांसा के अनुसार ईश्वर अपने कर्मों का फल किनके द्वारा प्राप्त करता है।
(a) ईश्वर (b) अपूर्व (c) अदृष्ट (d) आत्मन्

(18) मीमांसा के अनुसार उचित कर्म वह है, जो
(a) फल की इच्छा से रहित होकर किया जाए (b) वैदिक विधि द्वारा अनुमोदित होने पर
(c) अन्तरात्मा की पुकार के आधार पर किया जाए (d) गुरु के कथनानुसार किया जाए

(19) मीमांसा दर्शन के अनुसार मोक्ष प्राप्त होता है।
(a) ज्ञान द्वारा (b) भक्ति द्वारा (c) समाधि द्वारा (d) कर्म द्वारा

(20) निम्न में से कौन जानता है कि स्वर्ग प्राप्ति हेतु यज्ञ करना चाहिए?
(a) बौद्ध (b) सांख्य (c) जैन (d) मीमांसा

Scanned with CamScanner

उत्तर

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. (b) | 2. (b) | 3. (a) | 4. (c) | 5. (c) | 6. (c) | 7. (c) | 8. (b) | 9. (b) | 10. (b) |
| 11. (c) | 12. (d) | 13. (a) | 14. (a) | 15. (c) | 16. (c) | 17. (b) | 18. (b) | 19. (a) | 20. (d) |

Scanned with CamScanner